पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित:01.04.2021 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9971467978 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-37 अंक-21 चैत्र-2078 दयानन्दाब्द 198 01 अप्रैल से 15 अप्रैल 2021 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 01.04.2021, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 196वां वेबिनार सम्पन्न

90वें बलिदान दिवस पर कृतज्ञ राष्ट्र की शहीदों को श्रद्धांजलि

देश के स्वतंत्रता आंदोलन में शहीदों का अविस्मरणीय योगदान –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
महर्षि दयानंद क्रांतिकारियों के प्रेरणा स्रोत रहे –डॉ.आर के आर्य (स्वदेशी फार्मेसी)

मंगलवार, 23 मार्च 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 90 वे शहीद दिवस के अवसर पर आर्य गोष्ठी का आयोजन कर शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव को ऑनलाइन श्रद्धांजलि अर्पित की गई । यह परिषद का कॅरोना काल में 192 वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों के योगदान व बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता । देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तीनों नायक– भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को अंग्रेजी शासन ने 23 मार्च 1931 को फांसी पर लटका दिया था। ये तीनों ही भारत के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। भारत के इन नवयुवकों ने अलग रास्ता अपनाया था किन्तु यह देश के कल्याण के लिए था। क्रांतिकारियों की एक लंबी श्रंखला है प.रामप्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद,उधमसिंह, करतारसिंह सराबा, श्यामजी कृष्ण वर्मा,नेताजी सुभाष आदि जिन्होंने देश के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया । आज के युवाओं को उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेना चाहिए यदि राष्ट्र रहेगा तो हम सब रहेगे । राष्ट्र सर्वोपरि है । शहीद भगत सिंह के दादा जी को महर्षि दयानंद जी का सानिध्य मिला और वह आर्य समाजी बन गए आजादी के मूल में अनेको क्रांतिकारियों ने महर्षि दयानंद से प्रेरणा ली और आजादी के आंदोलन में कूद पड़े । मुख्य अतिथि स्वदेशी फार्मेसी,हरिद्वार के निदेशक डॉ. आर के आर्य ने कहा कि जो ज्योति स्वामी दयानंद सरस्वती ने जलाई थी उसको जलाए रखना हम सभी का दायित्व है।लोगों में आजादी के संघर्ष का जज्बा था उस पराक्रम का लोगों में प्रचार करने का कार्य आर्य युवक परिषद बहुत ही सुन्दर तरीके से कर रही है जो सराहनीय है । कार्यक्रम अध्यक्ष शिक्षाविद डॉ. ऋतु मल्होत्रा ने कहा कि इतनी कम उम्र में इस बहादुरी के साथ देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले इन सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए परिषद का प्रयास सराहनीय है, वह सब हमारे सदैव प्रकाश पुंज रहेगे। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीण आर्य ने जिला गाजियाबाद आर्य केन्द्रीय सभा के महामंत्री वीर सिंह आर्य के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। ओजस्वी गायक नरेन्द्र आर्य सुमन, दीप्ति सपरा, निताशा कुमार(बंगलौर),संगीता आर्या गीत,सुदेश आर्या,मधु खेड़ा, राजश्री यादव,संतोष आर्या, सुलोचना देवी,आशा आर्या, रविन्द्र गुप्ता,कुसुम भण्डारी, ईश्वर देवी आर्या,प्रवीना ठक्कर,प्रतिभा कटारिया आदि ने देश भक्ति गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आचार्य आनन्द प्रकाश आर्य, सौरभ गुप्ता,धर्मपाल आर्य, महेन्द्र प्रताप नागपाल,डॉ रचना चावला, विजय हंस,अतुल सहगल,ललित बजाज,आशा आर्य,उर्मिला आर्य,अंजू बजाज आदि उपस्थित थे।

आर्य समाज और राष्ट्र निर्माण पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

आर्य समाज राष्ट्रीयता की भावना का प्रसारक है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
युवा ही है राष्ट्र निर्माण की पहली सीढ़ी –आचार्य विष्णुमित्र वेदार्थी (बिजनौर)

शुक्रवार, 26 मार्च 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आर्य समाज और राष्ट्र निर्माण विषय पर आर्य गोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन जूम पर किया गया।यह परिषद का कोरोना काल में 194वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य विष्णुमित्र वेदार्थी (बिजनौर) ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का रास्ता युवा पीढ़ी से होकर ही निकलता है,बिना युवाओं के विकास से राष्ट्र निर्माण की कल्पना नहीं कि जा सकती। आर्य समाज युवा निर्माण कार्य से युवाओं को राष्ट्र प्रेम की भावना से ओतप्रोत करता है जिससे युवा राष्ट्र की प्रगति और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।वे ईमानदारी से प्रयासों के साथ तेजी से बदलाव और विकास ला सकते हैं।इसलिए,यदि आर्य समाज युवाओं की शक्ति का उपयोग बुद्धिमानी और आशा से करता है,तो यह निश्चित रूप से राष्ट्रीय विकास का कारण बन सकता है।हमें युवा शक्ति में राष्ट्रीयता की भावना के प्रचार प्रसार का कार्य करना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज राष्ट्र का सजक प्रहरी है,महर्षि दयानंद जी ने कहा था कि कोई कितना ही करे पर स्वदेशी राज्य सर्वोत्तम है। आज की समय की मांग है कि राष्ट्र निर्माण में हम सभी को मिलकर योगदान देना चाहिए क्योंकि हम सभी के लिए हमारा राष्ट्र सबसे बढ़कर है।आज हम देखें तो हमारा भारत देश तेजी से आगे बढ़ रहा है यह देश इसी तरह से और भी आगे बढ़ता रहे इसमें हम सभी को मिलकर योगदान देना चाहिए।देश की संप्रभुता के साथ साथ संस्कृति की रक्षा भी आवश्यक है और आर्य समाज के पास वो विचारधारा है जिससे ये सब सम्भव हो सकता है।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

"होली का वैदिक स्वरूप" आर्य गोष्ठी सम्पन्न

हिन्दू पर्वो में बढ़ता प्रशासनिक हस्तक्षेप चिन्ताजनक –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
संस्कृति की रक्षा यज्ञ से ही सम्भव है –दर्शनाचार्या विमलेश बंसल

रविवार, 28 मार्च 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में होली का वैदिक स्वरूप विषय पर आर्य गोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन जूम पर किया गया। यह परिषद का कॅरोना काल में 195वां वेबिनार था। वैदिक विदुषी दर्शनाचार्या विमलेश बंसल ने कहा कि भारतीय संस्कृति की रक्षा यज्ञीय परंपरा को बनाये रखने से ही हो सकती है, इसके लिए नयी पीढ़ी को इसका महत्व व विधि समझानी होगी । वैदिक युग में होली को श्नवान्नेष्टि यज्ञश कहा गया था, क्योंकि इस समय खेतों में पका हुआ अनाज काटकर घरों में लाया जाता है। जलती होली में जौ और गेहूं की बालियां तथा चने के बूटे भूनकर प्रसाद के रूप में बांटे जाते हैं। होली की अग्नि में भी बालियां होम की जाती हैं। उन्होंने कहा कि यदि हम अपनी संस्कृति की रक्षा करनी है तो बच्चों को यज्ञ से जोड़ने का कार्य करना होगा। यज्ञ परोपकार की भावना व मानव कल्याण को बढ़ाता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज हिन्दू पर्वो में बढ़ता प्रशासनिक हस्तक्षेप चिंता का विषय है जब हैदराबाद, बंगाल और असम आदि में चुनावी रैलियों होती हैं तब तो कॅरोना कुछ नहीं कहता। भारतीय पर्व उत्साह,हंसी खुशी व समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। होली उत्सव यज्ञ का प्रतीक है। स्वयं से पहले जड़ और चेतन देवों को आहुति देने का पर्व हैं। इसके वास्तविक स्वरुप को समझ कर इस सांस्कृतिक त्योहार को बनाये। होलिका दहन रूपी यज्ञ में यज्ञ परम्परा का पालन करते हुए शुद्ध सामग्री, तिल, मुंग, जड़ी बूटी आदि का प्रयोग करें इससे वातावरण भी शुद्ध होगा व रोग दूर रहेंगे। मुख्य अतिथि डलहौजी आर्य समाज से मोनिका सहगल ने कहा कि होली का सांस्कृतिक महत्व श्मधुश अर्थात श्मदनश से भी जुड़ा है। संस्कृत और हिन्दी साहित्य में इस मदनोत्सव को वसंत ऋतु का प्रेम–आख्यान माना गया है। वसंत यानी शीत व ग्रीष्म ऋतु की संधि वेला। कार्यक्रम अध्यक्ष आर्य समाज यमुनानगर के मंत्री राकेश ग्रोवर ने कहा कि ऋतुओं के मिलने पर रोग उत्पन्न होते हैं, उनके निवारण के लिए यह यज्ञ किये जाते थे। यह होली हेमन्त और बसन्त ऋतु का योग है। रोग निवारण के लिए यज्ञ ही सर्वोत्तम साधन है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि होली प्राचीनतम वैदिक परम्परा के आधार पर होली को नवान्न वर्ष का प्रतीक माना जाता है। आर्य नेता प्रेम सचदेवा, जीवन लाल आर्य ने आभार व्यक्त किया। गायिका डॉ रचना चावला, विजय हंस,सतीश शास्त्री,प्रेम हंस,संतोष आर्या,सुलोचना देवी,जनक अरोड़ा,रविन्द्र गुप्ता,कुसुम भण्डारी,शिवम ग्रोवर,विक्की आर्य,प्रतिभा कटारिया,चंद्रकांता आर्या,उर्मिला आर्या ,सुनीता बुग्गा,आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आचार्य महेन्द्र भाई,सौरभ गुप्ता, अतुल सहगल,महेन्द्र नागपाल,उषा मलिक ,डॉ कल्पना रस्तोगी ,आशा भटनागर आदि उपस्थित थे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के "अप्रैल माह" की वेबिनार सूची "जूम व फेसबुक लाइव"

अप्रैल माह 2021 के विस्तृत कार्यक्रम

1. **197वां वेबिनार,** गुरुवार, **1 अप्रैल 2021**, समय- सायं 5 बजे, **विषय**-आयुर्वेद अनुसार दिनचर्या, **मुख्य वक्ता**- वैद्य सुजाता
2. **198वां वेबिनार,** शनिवार, **3 अप्रैल 2021**, समय- सायं 5 बजे, **विषय**-राम भक्त कौन?, **मुख्य वक्ता**- श्री नरेन्द्र आहुजा "विवेक"
3. **199वां वेबिनार,** सोमवार, **5 अप्रैल 2021**, समय- सायं 5 बजे, **विषय**-हमारी जीवन शैली और आत्म अवलोकन, **मुख्य वक्ता**- डॉ. रचना चावला
4. **200वां वेबिनार,** बुधवार, **7 अप्रैल 2021**, समय- सायं 5 बजे, **विषय**-मृत्यु से अमृत की ओर, **मुख्य वक्ता**- दर्शनाचार्या विमलेश बंसल
5. **201वां वेबिनार,** शुक्रवार, **9 अप्रैल 2021**, समय- सायं 5 बजे, **विषय**-जीवन रक्षक आयुर्वेद, **मुख्य वक्ता**- डॉ. सुषमा आर्या
6. **202वां वेबिनार,** रविवार, **11 अप्रैल 2021**, समय- सायं 5 बजे, **विषय**-वैसाखी दे रंग संगीत दे संग, **मुख्य अतिथि**- सी.ए. श्री हंसराज चुघ
7. **203वां व 204वां वेबिनार,** मंगलवार व बुधवार, **13 व 14 अप्रैल 2021**, "सामवेद पारायण यज्ञ" समय-प्रातः 9 से 1 बजे तक, यज्ञ ब्रह्मा-आचार्य गवेन्द्र शास्त्री
8. **205वां वेबिनार,** गुरुवार, **15 अप्रैल 2021**, समय- सायं 5 बजे, **विषय**-भारतीय तत्त्व मीमांसा वैदिक दर्शन के परिप्रेक्ष्य में, **मुख्य वक्ता**- डॉ. भारत वेदालंकार
9. **206वां वेबिनार,** शनिवार, **17 अप्रैल 2021**, समय- सायं 5 बजे, **विषय**-शक्ति का वैदिक स्वरूप, **मुख्य वक्ता**-डॉ. कल्पना रस्तोगी
10. **207वां वेबिनार,** सोमवार, **19 अप्रैल 2021**, समय- प्रातः 11 बजे, **विषय**-शिक्षा व सेवा के समन्वयक महात्मा हंसराज, **मुख्य वक्ता**- आचार्य हरीओम शास्त्री
11. **208वां वेबिनार,** बुधवार, **21 अप्रैल 2021**, समय- प्रातः 11 बजे, **विषय**-रामनवमी, **मुख्य वक्ता**- आर्य रविदेव गुप्ता
12. **209वां वेबिनार,** शुक्रवार, **23 अप्रैल 2021**, समय- सायं 5 बजे, **विषय**-सत्ता के तंत्र और भविष्य की संभावनाएं, **मुख्य वक्ता**- डॉ. मनोज तंवर
13. **210वां वेबिनार,** रविवार, **25 अप्रैल 2021**, समय- प्रातः 11 बजे, **विषय**-महावीर का संदेशः अहिंसा परमोधर्म, **मुख्य वक्ता**- आचार्य चंद्रशेखर शर्मा
14. **211वां वेबिनार,** मंगलवार, **27 अप्रैल 2021**, समय- सायं 5 बजे, **विषय**-पं. गुरुदत्त विद्यार्थी व्यक्तित्व व कृतित्व, **मुख्य वक्ता**- आचार्य गवेन्द्र शास्त्री
15. **212वां वेबिनार,** गुरुवार, **29 अप्रैल 2021**, समय- सायं 5 बजे, **विषय**-हृदयाघात समस्या व बचाव, **मुख्य वक्ता**- डॉ. सुनील रहेजा

(पृष्ठ 1 का शेष)

कार्यक्रम अध्यक्ष सुशील बंसल (मंत्री,आर्य समाज बुढ़ाना गेट मेरठ) ने कहा कि किसी राष्ट्र का साहित्य उन्नत व समृद्धशाली है तो वह राष्ट्र भी उन्नत तथा समृद्धशाली होगा और यदि वहां साहित्य का अभाव है,तो उस राष्ट्र का बने रहना कठिन होगा।आर्य समाज का श्रेष्ठ साहित्य,आर्ष ग्रंथ आदि राष्ट्र निर्माण में सहायक है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आर्य समाज ने भारत में राष्ट्रवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण योगदान किया है। स्वामी दयानन्द सरस्वती आधुनिक भारत के धार्मिक नेताओं में प्रथम महापुरूष थे जिन्होने श्स्वराज्यश शब्द का प्रयोग किया।आर्य समाज ने हिन्दू धर्म में एक नयी चेतना का आरंभ किया था। गायिका संतोष आर्या (राजपुरा, पंजाब),सुलोचना देवी,आशा आर्या,रविन्द्र गुप्ता,कुसुम भण्डारी,ईश्वर देवी आर्या,प्रवीना ठक्कर,उर्मिला आर्य,प्रतिभा कटारिया आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आचार्य महेन्द्र भाई,सौरभ गुप्ता, आनन्द प्रकाश आर्य,डॉ रचना चावला,विजय हंस,रामकुमार सिंह आर्य,अतुल सहगल,ललित बजाज,अलका गुप्ता,राजेश सेठी, अमरनाथ बत्रा आदि उपस्थित थे।

!! ओ३म् !!
केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली
आर्य समाज स्थापना दिवस व बैसाखी के पावन पर्व पर
सामवेद पारायण महायज्ञ
दिनांक : 13 व 14 अप्रैल, 2021
समय : प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक
स्थान : आर्य समाज कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मंडी, दिल्ली-110007

जहां नहीं होता कभी विश्राम
आर्य युवक परिषद है उसका नाम

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत का वक्तव्य स्वागत योग्य

फटी जीन्स भारतीय संस्कृति का अंग नहीं –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

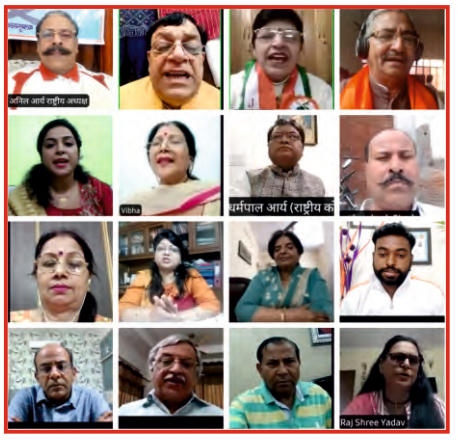

सोमवार 22 मार्च 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत का वक्तव्य स्वागत योग्य है। फटी जीन्स या कपड़े पहनना भारतीय संस्कृति व सभ्य समाज में उचित नहीं ठहराया जा सकता। फटेहाल कपड़े वैसी ही मानसिकता को दर्शाते हैं । फिल्म जगत नयी पीढ़ी को नग्नता और हिंसा ही परोसता है जिसका समाज पर दुष्प्रभाव पड़ता है । इस संदर्भ में जया बच्चन का वक्तव्य भी दुर्भाग्यपूर्ण है। मुख्यमंत्री जी को अपने वक्तव्य पर दृढ़ रहना चाहिए क्योंकि अच्छे सुधार के कार्यो में तो अड़चने व आलोचना तो होती ही है बाद में उसको सभी स्वीकार करते है। गत 22 मार्च को लोकडॉन हुआ था सबने थालियां, घंटे बजाए थे एक वर्ष पूरे होने पर कॅरोना मुक्त भारत की कामना की गई। बैठक का आयोजन ऑनलाइन जूम पर किया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि आर्य समाज तो नयी पीढ़ी को सुसंस्कारित करने का काम करता है पर फिल्म जगत,कई सीरियल फूहड़ता परोसते है इस पर रोक लगनी चाहिए। आचार्य महेन्द्र भाई, आनन्द प्रकाश आर्य,डॉ आर के आर्य,सौरभ गुप्ता,वीना वोहरा,रामकुमार सिंह,धर्मपाल आर्य,अरुण आर्य आदि उपस्थित थे।

"मोक्षः वास्तविकता या कल्पना" पर गोष्ठी सम्पन्न

आत्मा का सांसारिक दुःखों से मुक्ति ही मोक्ष है –डॉ. मनोज तंवर (गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय)

भारतीय दर्शन व्यवहारिक दर्शन है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शनिवार, 20 मार्च 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में मोक्षः वास्तविकता या कल्पना विषय पर आर्य गोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन जूम पर किया गया। यह परिषद का कॅरोना काल में 191 वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान डॉ मनोज तंवर(गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय) ने मोक्ष की संभावना और असंभावना पर विचार करते हुए पक्ष और विपक्ष में अध्यात्म वादियों और भौतिकवादियों दोनों के मतों की समीक्षा की तथा पाया कि मानव जीवन की एक वास्तविकता नैतिक नियम है जो पुनर्जन्म की आवश्यकता का अनुभव करते है और पुनर्जन्म आत्मा की अमरता का और आत्मा का होना मोक्ष को फलित करता है अतः मोक्ष कल्पना नही वास्तविकता है! मोक्ष का सामान्य अर्थ दुखों का विनाश है। दुखों के आत्यन्तिक निवृत्ति को ही मोक्ष या कैवल्य कहते हैं। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय दर्शन यह मानते हैं कि संसार दुखमय है। दुखों से भरा हुआ है। किन्तु ये दुख अनायास नहीं है, इन दुखों का कारण है। उस कारण को समाप्त करके हम सभी प्रकार के दुखों से मुक्त हो सकते है। दुख मुक्ति की यह अवस्था ही मोक्ष है या कैवल्य है। और यही जीवन का अन्तिम लक्ष्य है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि मोक्ष जीवन का अंतिम लक्ष्य है जब तक इस लक्ष्य की प्राप्ति नही हो जाती तब तक संसार में जन्म मरण का चक्र चलता रहेगा और जीव दुःख भोगता रहेगा। भारतीय दर्शन सिर्फ मोक्ष की सैद्धान्तिक चर्चा ही नहीं करता बल्कि उसकी प्राप्ति के व्यावहारिक उपाय भी बताता है इसीलिए भारतीय दर्शन कोरा सैद्धान्तिक दर्शन न होकर एक व्यावहारिक दर्शन है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र कुकरेजा ने कहा कि मोक्ष का विचार बन्धन से जुड़ा हुआ है। आत्मा का सांसारिक दुखों से ग्रस्त होना ही उसका बन्धन है और इन दुखों से सर्वथा मुक्त हो जाना ही मोक्ष है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि वेद में आस्था रखने वाले आस्तिक एवं वेद विरोधी नास्तिक, दोनों प्रकार के भारतीय दर्शन (चार्वाक को छोड़कर) मोक्ष को स्वीकार करते हैं और अपने–अपने दृष्टिकोण से कैवल्य या मोक्ष के स्वरूप एवं साधनो को जन कल्याण हेतु बताते हैं। गायिका राजश्री यादव,संतोष आर्या,सुलोचना देवी,आशा आर्या, रविन्द्र गुप्ता,कुसुम भण्डारी, ईश्वर देवी आर्या,प्रवीना ठक्कर,प्रतिभा कटारिया आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आचार्य महेन्द्र भाई,हरीओम आर्य,आनन्द प्रकाश आर्य,सौरभ गुप्ता,डॉ रचना चावला, मधु खेड़ा, राजेश मेंहदीरत्ता,विजय हंस,रामकुमार सिंह आर्य,अतुल सहगल, ललित बजाज,उर्मिला आर्या आदि उपस्थित थे।

"बिना दवाइयों के कैसे रहें स्वस्थ" पर गोष्ठी सम्पन्न

आहार, विहार, विचार और व्यवहार से होता है स्वास्थ्य निर्माण –डॉ. सुनील आर्य, मेदांता अस्पताल

ऋतु अनुसार आहार विहार स्वास्थ्य के लिए आवश्यक –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

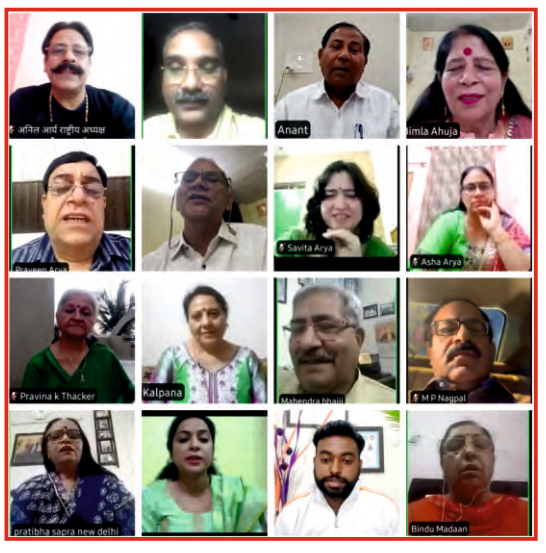

मंगलवार,16 मार्च 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में षबिना दवाइयों के कैसे रहें स्वस्थष विषय पर आर्य गोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन जूम पर किया गया। यह परिषद का कॅरोना काल में 189 वां वेबिनार था। मेदान्ता अस्पताल गुरुग्राम के डॉ. सुनील आर्य ने कहा कि बिना भूख के भोजन या अधिक भोजन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है । उन्होंने प्रकाश डालते हुए कहा कि पेट की अग्नि यानि जठराग्नि के अलावा भी 12 प्रकार की अग्नि शरीर के अलग–अलग अन्य पाचन के कामों के लिए जिम्मेदार होती हैं। सात धातु अग्नि धातुओं के निर्माण के लिए जिम्मेदार होती हैं, 5 भूत अग्नि अलग–अलग तत्वों का एकीकरण करती हैं। ये अग्नि पाचन की क्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और पोषक तरल, दोष, धातु और मल का निर्माण करती है।यह बहुत जरूरी है कि जठराग्नि का संतुलन बना रहे,साथ ही उन्होंने कहा कि भूख से कम और समय पर भोजन करना, तेल का रिफाइंड न ले , शुद्व घी का सेवन करें,व्यायाम,आहार, विहार विचार और व्यवहार आदि पर ध्यान दे कर स्वास्थ्य लाभ लिया जा सकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आयुर्वेद में, स्वस्थवृत्त के अन्तर्गत देश, काल, ऋतु और प्रकृति के अनुरूप आहार–विहार का वर्णन किया गया है। स्वस्थ मनुष्य के स्वास्थ्य की रक्षा करना तथा देश, काल, ऋतु प्रकृति के अनुसार उसके आहार–विहार का पालन करना आयुर्वेद प्राचीन काल से हमे सिखाता आ रहा है।आज दिन और रात्रि तथा विभिन्न ऋतुओं के आचरण के बारे में हम सभी भूलते जा रहे है जिसका पालन करने से जीवन सुखमय हो सकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के कोषाध्यक्ष देवेन्द्र गुप्ता ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए अच्छी मात्रा में शुद्ध वायु का ग्रहण करें जिसके लिए प्रतिदिन सैर करना चाहिए। कार्यक्रम अध्यक्ष आर्य नेत्री विमला आहूजा ने कहा कि स्वस्थ रहना सबसे बड़ा सुख है। कहावत भी है– श्पहला सुख निरोगी कायाश। कोई आदमी तभी अपने जीवन का पूरा आनन्द उठा सकता है, जब वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहे । उन्होंने आहार निद्रा और ब्रह्मचर्य के संयम की बात कही। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि शरीर ही धर्म का श्रेष्ठ साधन है। यदि हम धर्म में विश्वास रखते हैं और स्वयं को धार्मिक कहते हैं, तो अपने शरीर को स्वस्थ रखना हमारा पहला कर्तव्य है। यदि शरीर स्वस्थ नहीं है, तो जीवन भार स्वरूप हो जाता है। योगाचार्य सौरभ गुप्ता ने कहा कि योग की परम्परा को आत्मसात कर के रोगों से दूर रह कर प्रसन्नता पूर्वक जीवन व्यतीत कर सकते हैं। गायिका दीप्ति सपरा,सविता आर्या,उर्मिला आर्या,आशा आर्या,जनक अरोड़ा, रमादेवी नागपाल,बिन्दु मदान,रविन्द्र गुप्ता,कुसुम भण्डारी,ईश्वर देवी आर्या,प्रवीना ठक्कर,प्रतिभा सपरा,सुख वर्षा सरदाना आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आचार्य महेन्द्र भाई,आनन्द प्रकाश आर्य,डॉ रचना चावला, विजय हंस,अमीरचंद्र रखेजा, रामकुमार सिंह आर्य,अतुल सहगल, दुर्गेश आर्य,डी पी परमार,ललित बजाज,राजश्री यादव,उर्मिला आर्या,महेन्द्र प्रताप नागपाल आदि उपस्थित थे।

अस्थमा में होम्योपैथी व श्याम जी कृष्ण वर्मा की 91वीं पुण्यतिथि पर गोष्ठी सम्पन्न

क्रांतिकारियों के प्रेरणा स्रोत रहे श्यामजी कृष्ण वर्मा –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
अस्थमा का आघात जानलेवा हो सकता है –डॉ.प्रमोद पाल (जयपुर)

मंगलवार 30 मार्च 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में अस्थमा में होम्योपैथी कारगर विषय पर गोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन जूम पर किया गया व महान देशभक्त श्यामजी कृष्ण वर्मा को 91 वी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई । यह परिषद का कॅरोना काल में 196 वां वेबिनार था। होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. प्रमोद पाल ने कहा कि अस्थमा में लापरवाही करने से यह जानलेवा भी हो सकता है । ये विभिन्न प्रकार की एलर्जी से होता है सभी के लिए अलग अलग कारण हो सकते है और प्रत्येक व्यक्ति की प्रकृति के अनुसार उपचार भी उसी के अनुसार होता है । उन्होंने कहा कि अस्थमा बहुत से लोगों के लिए एक जीवन–परिवर्तन की बीमारी हो सकती है क्योंकि यह कार्यालय या स्कूल में आने – जानॉ व्यायाम करनॉ खेल–कूदॉ खाना पकाने और घर के कामों और सामाजिक कार्यों जैसी सामान्य दैनिक गतिविधियों में रूकावट या समस्याएं पैदा कर सकती है। दमा का आघात जानलेवा भी हो सकता है। बच्चों मॉ यह स्कूल में अनुपस्थित रहने का एक मुख्य कारण है। यह एक मनोदैहिक विकार है – अधिकांशतः एलर्जी के रूप में उजागर होता है तनाव तथा संबंधों में समस्या के तौर पर दिखाई देता है। होम्योपैथी में अस्थमा के इलाज के लिए, आपको इसके मूल कारण का इलाज करना होता है। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसी होम्योपैथी दवाइयां उपलब्ध है जो अस्थमा के लक्षणों को कम करने में सहायक है जैसे–नक्स वोमिका, आर्सेनिक एल्बम,नेट्रम सल्फ्यूरिकम आदि चिकित्सक के परामर्श से लिया जा सकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने महान क्रांतिकारी श्यामजी कृष्ण वर्मा को को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने विदेशों में रहकर भारत की आजादी की अलख जगाई । यह महर्षि दयानंद जी के अनुयायी थे और इंडियन होम रूल सोसायटी की स्थापना की । आप पहले भारतीय थे जिन्हें ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से एम ए व बार एट ला की उपाधि दी गई । आपकी मृत्यु 30 मार्च 1930 को जेनेवा स्विजरलैंड में हुई थी । महर्षि दयानंद सरस्वती के अनन्य भक्त,संस्कृत भाषा के महान पण्डित, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अनेक उपाधियां प्राप्त कर वे ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर भी रहे । पण्डित श्यामजी कृष्ण वर्मा विदेश से ही भारत माता के स्वतंत्रता संग्राम के आन्दोलन की गतिविधियों में उन्होंने एक यशस्वी सेनानी बन कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।उन्होंने वैदिक धर्म के प्रचार में देश विदेश में अनेकों ओजस्वी भाषण दीये, वे एक कुशल वक्ता, लेखक, पत्रकार, वकील व सस्कृत भाषा के अन्य और कई भाषाओं के विद्वान थे। मुख्य अतिथि आर्य नेता अजय तनेजा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज मे जागरूकता आती है। कार्यक्रम अध्यक्ष केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि योग अस्थमा या दमा को ठीक करने में सहायक है। सांस लेने और योग में आपस में गहरा संबंध है। इसलिए यदि सांस लेने से जुड़ी कोई भी समस्या हो तो योग (प्राणायाम) उसके उपचार में सहायक है। सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष यशपाल यश ने कहा कि आर्य समाज सदैव समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी रहा है। गायिका जनक अरोड़ा,मृदुला अग्रवाल,सुलोचना देवी,आशा आर्या,वेदिका आर्या,रविन्द्र गुप्ता,कुसुम भण्डारी,प्रवीना ठक्कर,अशोक गोग्लानी,रमा नागपाल आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आचार्य महेन्द्र भाई,सौरभ गुप्ता,आनन्द प्रकाश आर्य,डॉ रचना चावला, विजय हंस,अतुल सहगल,ललित बजाज,वेदप्रकाश आर्य आदि उपस्थित थे।

आर्य समाज और युवा पर गोष्ठी सम्पन्न

संस्कारित युवा राष्ट्र की नींव है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
बच्चों को कार नहीं संस्कार दीजिये –प्रो. दिनेश चहल (जींद)

बुधवार, 24 मार्च 2021,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आर्य समाज और युवाष विषय पर आर्य गोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन जूम पर किया गया। यह परिषद का कॅरोना काल में 193वां वेबिनार था। प्रो. दिनेश चहल(जींद) ने कहा कि आज युवाओं को कार नहीं अपितु संस्कार देने की आवश्यकता है। उन्हें शिक्षित नहीं अपितु दीक्षित करने की आवश्यकता है तभी परिवार व समाज का ताना बाना, ढांचा सुधर सकता है । आर्य समाज ने राष्ट्रवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण योगदान किया है। इसके अनुयायियों ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में बढ–चढ कर भाग लिया। आर्य समाज के प्रभाव से ही भारतीयों के भीतर स्वदेशी आन्दोलन आरम्भ हुआ था। महर्षि दयानंद आधुनिक भारत के धार्मिक नेताओं में प्रथम महापुरूष थे जिन्होने श्स्वराज्यश शब्द का प्रयोग किया। आज युवा वर्ग को आर्य समाज की विचारधारा से जोड़ने का कार्य आर्य समाजियों के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए जिससे समाज व राष्ट्र को मजबूती प्रदान की जा सके। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि युवा किसी देश व समाज की रीढ़ होते हैं । उनके कंधों पर ही देश का भार होता है। युवाओं के चरित्र निर्माण का अभियान तेज गति से चलाना चाहिए। इसकी पहल आर्य समाज ने की है। परिषद चरित्र निर्माण शिविरों, युवा संस्कार अभियान व प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवा पीढ़ी को आर्य समाज से जोड़ने व भारतीय संस्कृति से जोड़ने का कार्य कर रहा है जिससे वह राष्ट्रवाद की मुख्य धारा से जुड़े । मुख्य अतिथि आर्य नेत्री रूही बब्बर(प्रदेश अध्यक्ष, आर्य युवती परिषद जम्मू कश्मीर) ने कहा कि युवाओं के रोल मॉडल आज फिल्म स्टार हो गये है,उन्हें अपने महापुरुषों, क्रांतिकारियों के गौरव पूर्ण इतिहास से परिचित करवाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम अध्यक्ष केन्द्रीय आर्य युवक परिषद हरियाणा के उपाध्यक्ष ईश आर्य ने कहा कि युवा पीढ़ी आज दिग्भ्रमित हो रही है योग,यज्ञ व वेद के समन्वय से उन्हें सही मार्ग पर लाया जा सकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि युवाओं के ऊर्जा को सही मार्ग में लगा दिया तो राष्ट्र निर्माण में उन्नति होगी। गायिका बिन्दु मदान, सुशांता आर्या,विजय लक्ष्मी,रविन्द्र गुप्ता, कुसुम भण्डारी,ईश्वर देवी आर्या, प्रवीना ठक्कर,जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, मधु खेड़ा आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आचार्य महेन्द्र भाई,आनन्द प्रकाश आर्य,डॉ रचना चावला, सौरभ गुप्ता विजय हंस,अतुल सहगल,ललित बजाज,उर्मिला आर्या आदि उपस्थित थे।

कृपया अपनी प्रिय पत्रिका "युवा उद्घोष" को नियमित बनाये रखने के लिये केवल 100/– रू का सहयोग "युवा उदघोष, A/N0. 20024363377, IFSCode. MAHB0000901, बैंक आफ महाराष्ट्र, डा. मुखर्जी नगर, दिल्ली–110009 पर आनलाईन भेजें।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मा. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970